

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. बोल्शेविक क्रांति के दो तात्कालिक कारण बताएँ।

- **प्रथम विश्व युद्ध में रूस की भारी पराजय:** युद्ध में रूसी सेना की लगातार हार हो रही थी, जिससे सैनिकों और जनता में ज़ार (राजा) के खिलाफ तीव्र आक्रोश था।
- **भोजन और आवश्यक वस्तुओं की कमी:** युद्ध के कारण देश में भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई थी। जनता ने "रोटी दो" के नारों के साथ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

2. लेनिन द्वारा नई आर्थिक नीति (NEP) की घोषणा क्यों की गई?

रूसी क्रांति और गृहयुद्ध के बाद रूस की अर्थव्यवस्था पूरी तरह तबाह हो चुकी थी। कृषि और औद्योगिक उत्पादन बहुत गिर गया था और किसानों में भारी असंतोष था। साम्यवाद को तुरंत पूरी तरह लागू करने से उपजे संकट को टालने, **अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने** और किसानों व पूंजीपतियों को कुछ हद तक राहत देने के लिए लेनिन ने 1921 में **नई आर्थिक नीति (NEP)** की घोषणा की।

3. रॉलेट एक्ट क्यों लगाया गया?

भारत में बढ़ रही **क्रांतिकारी गतिविधियों और राष्ट्रवाद को दबाने** के लिए ब्रिटिश सरकार ने 1919 में रॉलेट एक्ट पारित किया। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार को यह अधिकार देना था कि वह किसी भी भारतीय पर बिना मुकदमा चलाए या बिना वारंट के अनिश्चित काल के लिए जेल में बंद कर सके।

4. हो ची मिन्ह मार्ग की क्या उपयोगिता थी?

हो ची मिन्ह मार्ग वियतनाम युद्ध के दौरान **उत्तरी वियतनाम से दक्षिणी वियतनाम तक रसद, हथियार और सैनिकों की आपूर्ति** करने का एक मुख्य जीवन-रेखा (Supply Route) मार्ग था। यह मार्ग लाओस और कंबोडिया के क्षेत्रों से होकर गुजरता था, जिसकी मदद से वियतकांग लड़ाकों ने अमेरिकी सेना के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध को सफलतापूर्वक जारी रखा।

5. सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो कारण लिखें।

- **साइमन कमीशन का विरोध:** 1928 में भारत आए साइमन कमीशन में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था, जिससे भारतीयों में भारी रोष था।
- **पूर्ण स्वराज की मांग को ठुकराना:** ब्रिटिश सरकार ने नेहरू रिपोर्ट और कांग्रेस की 'पूर्ण स्वराज' (1929) की मांग पर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया, जिसके बाद गांधी जी ने आंदोलन का फैसला किया।

6. असहयोग आंदोलन क्यों स्थगित किया गया?

5 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा (उत्तर प्रदेश) में एक उत्तेजित भीड़ ने पुलिस थाने में आग लगा दी, जिसमें 22 पुलिसकर्मी जिंदा जल गए। महात्मा गांधी पूर्णतः अहिंसा के समर्थक थे। इस हिंसक घटना से दुखी होकर उन्होंने आंदोलन को तुरंत स्थगित करने का निर्णय लिया।

7. स्लम पद्धति की शुरुआत कैसे हुई?

औद्योगिक क्रांति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मजदूर काम की तलाश में शहरों (जैसे ब्रिटेन) की ओर आए। कारखानों के मालिकों ने उनके रहने की कोई उचित व्यवस्था नहीं की। इसके परिणामस्वरूप मजदूर फैक्ट्रियों के आस-पास तंग, गंदे और बिना बुनियादी सुविधाओं वाले इलाकों में रहने को मजबूर हुए, जिससे स्लम (झुग्गी-झोपड़ी) पद्धति की शुरुआत हुई।

8. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की क्या आवश्यकता है?

राजनीतिक दल लोकतंत्र के प्राण हैं क्योंकि वे:

- जनता की समस्याओं को सरकार के सामने उठाते हैं।
- चुनाव लड़कर सरकार का गठन करते हैं और नीतियों का निर्माण करते हैं।
- विपक्ष में रहकर सरकार की मनमानी और गलत नीतियों पर अंकुश लगाते हैं।

9. सामाजिक विभाजन से आपका क्या अभिप्राय है?

जब किसी समाज में जाति, धर्म, भाषा, लिंग या क्षेत्र के आधार पर लोगों के बीच बड़े अंतर या भेदभाव पैदा हो जाते हैं और एक समूह खुद को दूसरे से अलग समझने लगता है, तो उसे सामाजिक विभाजन कहते हैं।

10. भारत में बहुदलीय व्यवस्था क्यों अपनाया गया है?

भारत एक विशाल और अत्यधिक विविधता (भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई) वाला देश है। किसी एक या दो दलों के लिए इस विशाल विविधता और सभी सामाजिक समूहों के हितों का प्रतिनिधित्व करना संभव नहीं था। इसलिए, सभी वर्गों को अपनी राजनीतिक आवाज देने के लिए भारत में बहुदलीय व्यवस्था अपनाई गई।

11. सूचना के अधिकार आंदोलन के मुख्य उद्देश्य क्या थे?

- सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना।
- सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच फैले भ्रष्टाचार पर रोक लगाना।
- जनता को सरकार के निर्णयों और नीतियों की जानकारी प्राप्त करने का कानूनी अधिकार देना।

12. आय का गरीबी के साथ संबंध स्थापित करें।

आय और गरीबी के बीच सीधा और विपरीत (Inversely Proportional) संबंध होता है। जब किसी व्यक्ति या परिवार की आय बहुत कम होती है, तो वह अपनी बुनियादी जरूरतें (भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य) पूरी नहीं कर पाता और गरीबी रेखा के नीचे चला जाता है। कम आय के कारण बचत और निवेश नहीं होता, जिससे व्यक्ति 'गरीबी के कुचक्र' में फंसा रहता है।

13. बिहार के पिछड़ेपन के दो आर्थिक कारण बताएँ।

- कृषि पर अत्यधिक निर्भरता और पारंपरिक तकनीक: बिहार की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है, जो आज भी बाढ़-सूखे और पुरानी तकनीकों के कारण पिछड़ी हुई है।
- औद्योगिक बुनियादी ढांचे (Infrastructure) की कमी: राज्य में भारी उद्योगों, बिजली की पर्याप्त आपूर्ति और निवेश के अनुकूल माहौल की कमी है।

13. बिहार के पिछड़ेपन के दो आर्थिक कारण बताएँ।

- **कृषि पर अत्यधिक निर्भरता और पारंपरिक तकनीक:** बिहार की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है, जो आज भी बाढ़-सूखे और पुरानी तकनीकों के कारण पिछड़ी हुई है।
- **औद्योगिक बुनियादी ढांचे (Infrastructure) की कमी:** राज्य में भारी उद्योगों, बिजली की पर्याप्त आपूर्ति और निवेश के अनुकूल माहौल की कमी है।

14. मंदी का रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ता है?

आर्थिक मंदी के कारण वस्तुओं और सेवाओं की मांग बाजार में घट जाती है। इसके परिणामस्वरूप फैक्ट्रियां और कंपनियां अपना उत्पादन कम कर देती हैं या बंद हो जाती हैं। इससे **बड़े पैमाने पर छंटनी (Layoffs)** होती है, बेरोजगारी तेजी से बढ़ती है और नए रोजगार के अवसर समाप्त हो जाते हैं।

15. सतत विकास क्या है?

ऐसा विकास जो **वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को इस प्रकार पूरा करे कि आने वाली पीढ़ियों (Future Generations) के लिए संसाधनों की उपलब्धता और पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुँचे**, सतत विकास (Sustainable Development) कहलाता है।

16. लौह अयस्क के दो प्रकारों के नाम लिखें।

1. **हेमेटाइट (Haematite)** - इसे लाल अयस्क भी कहा जाता है।
2. **मैग्नेटाइट (Magnetite)** - यह सबसे उत्तम गुणवत्ता वाला चुंबकीय अयस्क है।

17. रबी और खरीफ फसल में अंतर स्पष्ट करें।

विशेषता	रबी फसल	खरीफ फसल
बुआई का समय	अक्टूबर - नवंबर (शीत ऋतु)	जून - जुलाई (मानसून की शुरुआत)
कटाई का समय	मार्च - अप्रैल (ग्रीष्म ऋतु)	सितंबर - अक्टूबर (मानसून के अंत में)
मुख्य फसलें	गेहूं, चना, मटर, सरसों, जौ	धान (चावल), मक्का, बाजरा, कपास
पानी की आवश्यकता	कम पानी की आवश्यकता होती है।	अत्यधिक वर्षा या पानी की आवश्यकता होती है।

19. नदी घाटी परियोजनाओं के विकास के क्या उद्देश्य हैं?

इन्हें बहुउद्देशीय परियोजनाएं भी कहते हैं, जिनके मुख्य उद्देश्य हैं:

- बाढ़ नियंत्रण और सूखा प्रबंधन करना।
- जलविद्युत (Electricity) का उत्पादन करना।
- नहरों के माध्यम से कृषि क्षेत्रों की सिंचाई करना।
- मत्स्य पालन और पर्यटन को बढ़ावा देना।

20. भूमि निम्नीकरण की समस्या के निदान हेतु किन्हीं दो उपायों का उल्लेख करें।

- **वृक्षारोपण (Afforestation):** अधिक से अधिक पेड़ लगाकर मृदा अपरदन (Soil Erosion) को रोकना।
- **अतिपशुचारण पर नियंत्रण:** पशुओं द्वारा अत्यधिक चराई पर रोक लगाना और बंजर भूमियों पर कँटीली झाड़ियाँ लगाना।

21. जैव विविधता मानव के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

जैव विविधता (Biodiversity) मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य है क्योंकि यह हमें **भोजन, दवाइयाँ, वस्त्र और लकड़ी** जैसी बुनियादी चीज़ें प्रदान करती है। साथ ही, पेड़-पौधे और जीव-जंतु मिलकर हमारे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हैं, ऑक्सीजन का चक्र चलाते हैं और मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं।

22. प्राकृतिक आपदाओं द्वारा विनाश को किस प्रकार न्यूनतम किया जा सकता है?

- **प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (Early Warning System):** आधुनिक तकनीक द्वारा आपदाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना।
- **आपदा प्रबंधन और जागरूकता:** लोगों को आपदा के समय किए जाने वाले सुरक्षा उपायों के प्रति प्रशिक्षित करना और आपदा-रोधी (जैसे भूकंप-रोधी) निर्माण करना।

23. प्राकृतिक आपदा और मानवजनित आपदा में क्या अंतर है?

- **प्राकृतिक आपदा:** यह प्रकृति के आंतरिक या बाह्य बदलावों के कारण अचानक घटित होती है, जिस पर इंसानों का कोई सीधा वश नहीं होता। उदाहरण: *भूकंप, सुनामी, बाढ़, सूखा।*
- **मानवजनित आपदा:** यह मानवीय लापरवाहियों, गतिविधियों या तकनीकी विफलताओं के कारण घटित होती है। उदाहरण: *सड़क/रेल दुर्घटना, रासायनिक गैस रिसाव, परमाणु विस्फोट, युद्ध।*

24. आग से जलने की स्थिति में जले हुए स्थान पर क्या प्राथमिक उपचार देना चाहिए?

- जले हुए स्थान पर तुरंत **ठंडा और साफ पानी** डालना चाहिए जब तक कि जलन कम न हो जाए।
- यदि कोई कपड़ा या आभूषण त्वचा से चिपका न हो, तो उसे धीरे से हटा दें।
- जले हुए भाग पर कोई साफ, सूती कपड़ा या पट्टी ढीली लपेटें और मरीज को तुरंत नजदीकी डॉक्टर के पास ले जाएं।

25. भूकंप से बचाव के लिए भवन निर्माण में क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए?

- भवन का आकार **आयताकार या वर्गाकार** होना चाहिए, और निर्माण कार्य हल्के व मजबूत निर्माण सामग्री (जैसे भूकंप-रोधी स्टील और कंक्रीट) से होना चाहिए।
- भवन की नींव को मजबूत और 'भूकंप-रोधी डिजाइन' (Earthquake-resistant design) के मानदंडों के अनुसार इंजीनियर की देखरेख में बनाना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

26. असहयोग आंदोलन के कारण एवं परिणाम का वर्णन करें।

भूमिका: महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1920 में शुरू किया गया असहयोग आंदोलन भारत का पहला बड़े पैमाने पर चलाया गया जन-आंदोलन था।

आंदोलन के प्रमुख कारण:

1. **रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919):** ब्रिटिश सरकार द्वारा दमनकारी कानून पास करने और अमृतसर में निहत्थे लोगों पर क्रूरतापूर्वक गोलियां चलाने से पूरे देश में भारी गुस्सा था।
2. **खिलाफत आंदोलन:** प्रथम विश्व युद्ध के बाद तुर्की के खलीफा के साथ अंग्रेजों के बुरे व्यवहार के विरोध में भारतीय मुसलमान आंदोलित थे। गांधी जी ने हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए इस आंदोलन को असहयोग से जोड़ दिया।
3. **आर्थिक असंतोष:** प्रथम विश्व युद्ध के बाद देश में महंगाई, टैक्स और गरीबी बहुत बढ़ गई थी जिससे किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग परेशान थे।

आंदोलन के परिणाम:

1. **अभूतपूर्व जन-जागृति:** इस आंदोलन ने पहली बार देश के किसानों, मजदूरों, महिलाओं और छात्रों को एक साथ स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा। राष्ट्रवाद घर-घर तक पहुंच गया।
2. **ब्रिटिश सरकार की नींव हिलना:** सरकारी उपाधियों, अदालतों, स्कूलों और विदेशी कपड़ों का बहिष्कार करने से ब्रिटिश शासन की प्रशासनिक और आर्थिक व्यवस्था कमजोर हुई।
3. **हिंदू-मुस्लिम एकता:** इस आंदोलन के दौरान दोनों समुदायों के बीच एक ऐतिहासिक एकता देखने को मिली।
4. **चौरी-चौरा घटना के बाद स्थगन:** फरवरी 1922 में चौरी-चौरा की हिंसक घटना के बाद गांधी जी ने इसे वापस ले लिया, जिससे कुछ समय के लिए राजनीतिक निराशा फैली, लेकिन इसने भविष्य के आंदोलनों की मजबूत जमीन तैयार कर दी।

27. अंग्रेजी शिक्षा ने किस प्रकार भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

अंग्रेजी शिक्षा ने अनजाने में ही सही, लेकिन भारतीय राष्ट्रवाद (Indian Nationalism) को मजबूत आधार दिया:

1. **संपर्क भाषा (Lingua Franca) के रूप में:** भारत में अलग-अलग क्षेत्रों में सैकड़ों भाषाएँ बोली जाती थीं। अंग्रेजी शिक्षा ने उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम के शिक्षित भारतीयों को आपस में बात करने और विचार साझा करने के लिए एक साझी भाषा दे दी।
2. **पाश्चात्य प्रगतिशील विचारों का प्रभाव:** अंग्रेजी पढ़ने के बाद भारतीय विचारकों ने यूरोप के पुनर्जागरण, फ्रांसीसी क्रांति, अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम और रूसो, वोल्टेयर व जॉन लॉक जैसे विचारकों के स्वतंत्रता, समानता और लोकतंत्र के सिद्धांतों को समझा।
3. **ब्रिटिश शोषण की समझ:** शिक्षित भारतीयों (जैसे दादाभाई नौरोजी) ने अंग्रेजी दस्तावेजों और आर्थिक आंकड़ों का अध्ययन करके यह साबित किया कि किस प्रकार अंग्रेज भारत का धन बाहर भेज रहे हैं।
4. **समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का विकास:** अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार से राष्ट्रीय चेतना जगाने वाले अखबारों का संपादन आसान हुआ, जिससे अंग्रेजी राज की नीतियों की आलोचना देश भर में फैली।

28. गठबंधन की राजनीति किस प्रकार लोकतंत्र को प्रभावित करती है?

गठबंधन की राजनीति (Coalition Politics) के भारतीय लोकतंत्र पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव पड़ते हैं:

सकारात्मक प्रभाव:

1. **व्यापक प्रतिनिधित्व:** इसमें अलग-अलग क्षेत्रीय, भाषाई और सामाजिक विचारधारा वाले दल एक साथ आते हैं, जिससे समाज के छोटे और पिछड़े वर्गों को भी शासन में हिस्सेदारी मिलती है।
2. **निरंकुशता पर रोक:** किसी एक दल का पूर्ण बहुमत न होने के कारण प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री मनमाने फैसले नहीं ले सकते। उन्हें सभी सहयोगी दलों की सहमति लेनी पड़ती है, जो लोकतंत्र के अनुकूल है।

नकारात्मक प्रभाव:

1. **अस्थिर सरकारें:** सहयोगी दलों द्वारा अपनी मांगें पूरी न होने पर समर्थन वापस लेने की धमकी दी जाती है, जिससे सरकार गिरने का डर हमेशा बना रहता है।
2. **कमजोर नीतिगत निर्णय (Policy Paralysis):** क्षेत्रीय दलों के दबाव के कारण राष्ट्रीय महत्व के बड़े और कड़े फैसले समय पर नहीं लिए जा पाते, क्योंकि हर दल अपने राजनीतिक फायदे को देखता है।
3. **अवसरवादिता को बढ़ावा:** विचारधाराओं को दरकिनार कर केवल सत्ता प्राप्त करने के लिए बेमेल गठबंधन कर लिए जाते हैं।

29. राष्ट्रीय विकास में राजनीतिक दलों के योगदान पर चर्चा करें।

राजनीतिक दल किसी भी राष्ट्र के चौमुखी विकास के मुख्य आधार स्तंभ होते हैं। इनका योगदान निम्नलिखित है:

1. **नीतियों और योजनाओं का निर्माण:** राजनीतिक दल चुनाव के समय और सरकार में आने के बाद देश के आर्थिक, सामाजिक और वैज्ञानिक विकास के लिए नीतियां (जैसे पंचवर्षीय योजनाएं, डिजिटल इंडिया, कृषि सुधार) बनाते हैं।
2. **जनता और सरकार के बीच सेतु:** दल जनता की स्थानीय समस्याओं और मांगों को संसद या विधानसभा में उठाते हैं, जिससे विकास कार्य लक्षित क्षेत्रों तक पहुंच पाते हैं।
3. **राष्ट्रीय एकता और अखंडता:** विभिन्न जातियों, धर्मों और क्षेत्रों के लोगों को एक राजनीतिक दल के मंच पर लाकर वे देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करते हैं, जो विकास के लिए पहली शर्त है।
4. **कानून व्यवस्था बनाए रखना:** एक मजबूत विपक्ष के रूप में राजनीतिक दल सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का विरोध करते हैं, जिससे संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित होता है और भ्रष्टाचार पर लगाम लगती है।

30. बिहार में विकास की भावी संभावनाएँ क्या हैं? विस्तारपूर्वक।

बिहार में मानव संसाधन और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है, जिससे यहां विकास की निम्नलिखित भावी संभावनाएँ हैं:

1. **कृषि-आधारित उद्योगों (Agro-based Industries) का विकास:** बिहार की भूमि अत्यधिक उपजाऊ है। यहाँ मखाना, आम, लीची, केला और गन्ने का भारी उत्पादन होता है। यदि यहाँ कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग (खाद्य प्रसंस्करण) उद्योग लगाए जाएं, तो राज्य की तकदीर बदल सकती है।
2. **पर्यटन उद्योग (Tourism Potential):** बिहार में बोधगया, राजगीर, नालंदा, वैशाली और पावापुरी जैसे वैश्विक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल हैं। पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक बुनियादी ढांचे से जोड़कर बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा और रोजगार पैदा किए जा सकते हैं।
3. **मानव संसाधन (Human Resource) का सही उपयोग:** बिहार में युवाओं की आबादी सबसे अधिक है। इन्हें बेहतर तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास (Skill Development) देकर सर्विस सेक्टर और आईटी सेक्टर का हब बनाया जा सकता है।
4. **सड़क और बिजली में सुधार:** हाल के वर्षों में बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है। इसे और सुदृढ़ करके बाहरी निवेशकों को बिहार में उद्योग लगाने के लिए आकर्षित किया जा सकता है।

31. मुद्रा के कार्यों को विस्तार से बताएँ।

अर्थशास्त्री क्राउथर के अनुसार, "मुद्रा वह है जो मुद्रा का कार्य करे।" इसके मुख्य कार्यों को चार भागों में बांटा जा सकता है:

1. **विनिमय का माध्यम (Medium of Exchange):** यह मुद्रा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। इसके कारण वस्तु-विनिमय (Barter System) की कठिनाइयाँ समाप्त हो गई हैं। अब कोई भी व्यक्ति अपनी वस्तु बेचकर मुद्रा प्राप्त कर सकता है और उस मुद्रा से अपनी पसंद की दूसरी वस्तु खरीद सकता है।
2. **मूल्य का मापक (Measure of Value):** बाजार में हर वस्तु और सेवा का मूल्य (जैसे कीमत) मुद्रा के रूप में ही मापा जाता है। इससे हिसाब-किताब रखना और तुलना करना आसान हो गया है।
3. **विलंबित भुगतान का मान (Standard of Deferred Payments):** आधुनिक युग में बहुत से लेनदेन उधार या ऋण पर होते हैं। मुद्रा के कारण भविष्य में किए जाने वाले भुगतानों को तय करना और चुकाना बेहद सरल हो गया है।
4. **मूल्य का संचय (Store of Value):** धन को वस्तुओं के रूप में लंबे समय तक जमा रखना मुश्किल था क्योंकि वे नष्ट हो सकती थीं। मुद्रा को बैंक या नकदी के रूप में भविष्य के लिए आसानी से संचित (Save) करके रखा जा सकता है।

32. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में परिवहन एवं संचार साधनों की महत्ता की व्याख्या करें।

परिवहन (जैसे- सड़क, रेल, जल, वायु मार्ग) और संचार (जैसे- इंटरनेट, मोबाइल, डाक) को किसी भी देश की **"जीवन रेखा" (Lifeline)** कहा जाता है।

परिवहन का महत्व:

- **कच्चे माल और उत्पादों की आवाजाही:** परिवहन के जरिए उद्योगों तक कच्चा माल पहुँचाया जाता है और वहाँ से तैयार माल देश के कोने-कोने के बाजारों और विदेशों तक भेजा जाता है।
- **कृषि का विकास:** किसान अपनी जल्दी खराब होने वाली फसलों (सब्जी, दूध, फल) को मंडियों तक तेजी से पहुंचा पाते हैं।
- **संतुलित क्षेत्रीय विकास:** पिछड़े इलाकों को मुख्य शहरों से जोड़कर वहाँ रोजगार और व्यापार को बढ़ावा दिया जाता है।

संचार का महत्व:

- **त्वरित सूचनाएं:** इंटरनेट और ई-कॉमर्स की मदद से बैंकिंग, व्यापारिक सौदे और बाजार भाव की सटीक जानकारी सेकंडों में मिल जाती है।
- **ग्लोबल कनेक्टिविटी:** संचार साधनों ने भारत के आईटी सेक्टर (जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद) को दुनिया के विकसित देशों से जोड़ दिया है, जिससे देश में भारी विदेशी निवेश आ रहा है।

33. हरित क्रांति क्या है? भारतीय कृषि पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?

हरित क्रांति (Green Revolution): 1960 के दशक के मध्य (विशेषकर 1966-67) में भारतीय कृषि में उन्नत किस्म के बीजों (HYV Seeds), रासायनिक उर्वरकों, आधुनिक कीटनाशकों और उन्नत सिंचाई तकनीकों के प्रयोग से कृषि उत्पादन (विशेषकर खाद्यान्नों) में जो क्रांतिकारी और अप्रत्याशित वृद्धि हुई, उसे हरित क्रांति कहते हैं। भारत में इसके जनक **डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन** थे।

भारतीय कृषि पर इसका प्रभाव:

1. **खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता:** भारत जो पहले अनाज के लिए दूसरे देशों (जैसे अमेरिका) पर निर्भर था, वह अब अनाज उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर बना बल्कि अधिशेष (Surplus) निर्यात करने लगा।
2. **गेहूं और धान के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि:** सबसे ज्यादा फायदा गेहूं और उसके बाद चावल की फसल को हुआ। प्रति हेक्टेयर उत्पादकता कई गुना बढ़ गई।
3. **कृषि का आधुनिकीकरण:** किसान अब बैलों की जगह ट्रैक्टर, थ्रेशर, और पंपिंग सेट जैसे आधुनिक मशीनी उपकरणों का बड़े पैमाने पर उपयोग करने लगे।
4. **किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार:** पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों की आय में भारी वृद्धि हुई और उनका जीवन स्तर सुधरा।
(नकारात्मक प्रभाव के रूप में इसके कारण अत्यधिक रासायनिक उपयोग से भूमि की उर्वरता कम हुई और भूजल स्तर में गिरावट भी आई है।)